



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिक बीमारियां

के संस्करण 2016

7. दमाग की प्राइमरी अंजटिसि

7.1 यह क्या है?

दमाग की प्राइमरी अंजटिसि (पीएचएस) बच्चों की दमाग की बीमारी है जो दमाग की छोटी और मध्यम श्रेणी की रक्त धमनियों को प्रभावित करती है। उसका कारण पता नहीं है पर कुछ बच्चों में पहले खसरा हुआ होता है। इससे लगता है कि शायद संक्रमण से इसकी प्रक्रिया शुरू होती है।

7.2 क्या यह सामान्य है?

यह बहुत दुर्लभ बीमारी है।

7.3 इसके क्या प्रमुख लक्षण हैं?

इसकी शुरुआत अचानक एक अंग के हलिये या कमजोरी (अधरंग) से, मरिगी के दौरों या गंभीर सरिदरद से हो सकती है। कभी कभी दमाग के कई हिस्सों में प्रभाव के कारण व्यवहार में परिवर्तन भी इसके शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। अधिकतर बुखार और खून की जाँच में प्रवजलन के लक्षण नहीं होते हैं।

7.4 इसका नरिक्षण कैसे किया जाता है?

खून की जाँच व दमाग के पानी की जाँच दूसरी दमाग की बमारिओ जैसे संक्रमण, खून जमने के कारण होने वाली बीमारी को नकारने में सहायक होते हैं। दमाग और रीड की हड्डी के एक्सरे ही इसके प्रमुख जाँचे हैं। मैग्नेटिक रेजोनेंस एंजियोग्राफी (एमआरए) या एंजियोग्राफी (एक्सरे) से मध्यम या बड़ी नसों में प्रभाव को देखा जाता है। जाँचों को बार बार कर बीमारी की प्रगति को देखा जाता है। यदि बच्चे में नस में प्रभाव नहीं दीखता है तो यह सोचा जाना चाहिए कि छोटी नसे प्रभावित है। उसको दमाग की बीओप्सी कर पता किया जा सकता है।

7.5 क्या इलाज है?

खसरे के बाद होने वाली बीमारी में थोड़े दौरान(३माह) के लिए स्टैरॉयड देना से बीमारी रुक जाती है। यदि उचित हो तो वायरस के ऊपर काम करने वाली दवा भी दी जाती है (एकीक्लोवीर)। यह स्टैरॉयड उन्हीं को दिए जाते हैं जिनकी बीमारी एंजियोग्राफी में पायी जाती है पर ज्यादा बढ़ती नहीं है। यदि बीमारी बढ़ती है तो (जैसे दमाग में कते बढ़ना), दमाग में खराबी आने को रोकने के लिए इम्यून सिस्टम को दबाने वाली दवाओं से सघन इलाज करना पड़ता है। बीमारी की शुरुआत में सक्लोफेसफेमिडी दी जाती है और बाद में उसे के स्थान पर और दवाएं (अज़थीपरनि या मयकोफेनॉलाट) दी जाती है। खून को जमने की क्षमता काम करने वाली दवाएं (एस्पिरिन) भी दिए जा सकते हैं।